|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

११ जान्युआरी २०२६ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

श्रेणी - ३

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
OPEN /REGULAR		WRITER YES/NO	
SANGH NAME		SUPARVISOR SIGN	
MAHILA MANDAL		TOTAL MARKS	

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। (नीचेना पाठनी पूर्ति करो।) **(१२)**

१. फलविहिं ..... विलेवणविहिं

२. साइमं .....

..... विलेवण

३. सावज्जं ..... दुविहं

४. मनुष्य ..... कायसा

५. वइक्कंतो ..... देवसियं

६. जीव .....

..... विगलेन्द्रिय

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। (नीचेना शब्दोना अर्थ लखो।) **(७)**

१. खमणिज्जो ..... २. वय दुप्पणिहाणे .....

३. कओ ..... ४. दर्शन .....

५. जं किंचि ..... ६. ठामि .....

७. सव्व मिच्छोवयराए .....

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। (नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो।) **(६)**

१. सिद्ध भगवान (सिद्ध भगवान) .....

२. एक स्थान पर बैठकर करता हूं (एक स्थाने बेसीने करुं छुं) .....

३. जो इच्छा करने योग्य न हो (नहि इच्छवा योग्य) .....

४. गए है क्लांति आपकी (गइ छे किलामना आपनी) .....

५. हे क्षमाश्रमण (हे क्षमाश्रमण) .....

६. शल्यों से रहित करने के लिए (शल्योथी रहित करवा माटे) .....

(४) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) **(१०)**

१. ..... संसार भ्रमण योग्य कर्मबंध का कारण ..... है। (..... संसार परिभ्रमण योग्य कर्म बांधवानुं कारण ..... छे।)

.....

२. दो बाधक तत्त्व ..... और ..... है। (बे बाधक तत्त्व ..... अने ..... छे।)

.....

३. प्रतिक्रमण द्वारा ..... तक के ..... की शुद्धि होती है। (प्रतिक्रमण द्वारा ..... सुधीना ..... नी ज शुद्धि थाय छे।)

.....

४. ..... गुणस्थान में सम्यग्दर्शन की प्राप्ति होने पर ..... प्रतिक्रमण होता है।

(..... गुणस्थाने सम्यग्दर्शननी प्राप्ति थता ..... नुं प्रतिक्रमण थाय छे।)

.....

५. उत्कृष्ट वंदना ..... विधि से ..... के साथ होती है। (उत्कृष्ट वंदना ..... विधिथी ..... पूर्वक कराय छे।)

.....

६. शास्त्रों की अवहेलना न हो इसके लिए ..... और ..... शुद्धि भी आवश्यक है। .....

(धर्मग्रंथोनुं अवमूल्यन न थाय ते माटे ..... अने ..... ना शुद्धि पण जरुरी छे।)

७. ....., ... और ..... की यथार्थता से साधक की साधना गतिशील होती है।

(....., ... और ..... नी यथार्थताथी साधकनी साधना गतिशील बने छे

.....

८. १५ कर्मादान ....., ... व्यापार है। (१५ कर्मादान ....., ... छे।)

.....

९. नमस्कार के स्मरण से ....., ... आदि ..... का नाश होता है।

.....

(नमस्कार सूत्रना स्मरणथी ....., ... आदि ..... नो नाश थाय छे।)

१०. सामायिक ..... का धर्म है। (सामायिक ..... नो धर्म छे।) .....

(५) अंको में उत्तर दीजिए। (आंकडामां उत्तर लखो।) **(५)**

१) पाप के चरण (पगथिया) ..... २) आशातना ..... ३) सामायिक के दोष .....

४) आवर्तन ..... ५) योग ..... ६) अवग्रह का क्षेत्र हाथ .....

७) पापसेवन के कारण ..... ८) देव के गुण .....

९) सम्यग्दर्शन के अतिचार ..... १०) प्रतिक्रमण में तीसरे पाठ के विभाग .....

(२०)

प्र. २ सामान्य समझ विभाग के आधार पर लिखिए। (सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के दो दो उदाहरण लिखे। (नीचेना दरेकमां बे-बे उदाहरण लखो।) **(१०)**

१. जतना के उपकरण .....

२. लौकिक पर्व .....

३. लोकोत्तर पर्व .....

४. अनंतकाय .....

५. सेवा .....

(२) जोडी बनाओ। (जोडका जोडो।) **(३)**

(अ)	(ब)	जवाब
१. श्रद्धा	१. महावीर स्वामी	.....
२. दीपावली	२. नव	.....
३. चालणी	३. जतना	.....
४. जतना	४. सफलता की सीडी	.....
५. विनय	५. सत्य	.....
६. आयंबिल	६. अनुकंपा	.....

(३) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक वाक्यमां लखो।) **(७)**

१. नहाते समय जतना कैसे करनी चाहिए? (स्नान करती वखते जतना केवी रीते करवी?)

.....

२. कर्मसिद्धांत की अतूट श्रद्धा किसका द्वार खोलते है? (कर्मसिद्धांतनी अतूट श्रद्धा शुं खोले छे?)

.....

३. एक श्वास में कंदमूल के कितने जन्म-मरण होते है? उसका त्याग कार के किससे बचा जाता है?

(कंदमूळना एक श्वासमां केटला जन्म-मरण थाय छे? तेनो त्याग करी शेनाथी बचाय छे?)

.....

४. पर्व के कितने प्रकार है? कौन से? (पर्वना केटला प्रकार छे? कया कया?)

.....

५. कार्य की सफलता के लिए क्या रखना चाहिए? (कार्यनी सफळता माटे शुं राखवुं जोइए?)

.....

६. किसका आदर करना चाहिए? (कोनो विनय करवो जोइए?)

.....

७. ५ घटनाओं को कल्याणक क्युं कहा जाता है? (५ घटनाओने कल्याणक शा माटे कहेवाय छे?)

.....

(१५)

प्र. ३ तत्त्व/संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए। (तत्त्व/संस्कार विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो शब्दों में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर बे शब्दमां लखो।) (१०)

१. किसके सेवन करने से नरक का आयुष्य बंधता है? (शेनुं सेवन करवाथी नरकनुं आयुष्य बंधाय छे?)

.....

२. कर्म के सिद्धांत में विश्वास से क्या कम होता है? (कर्मना सिद्धांतनी श्रद्धाथी शुं घटे छे?)

.....

३. किसकी आसक्ति कम रखने से ज्ञान बढता है? (शेनी आसक्ति ओछी राखवाथी ज्ञान वधे छे?)

.....

४. हम जीवन में क्या नहीं चाहते है, तो पुन्यकर्म करे? (जीवनमां शुं न जोइतुं होय तो पुण्यना कार्यो करवा?)

.....

५. पाप करने से कौन सी गति में जाते है? (पाप करवाथी कई गतिमां जवुं पडे छे?) .....

६. ज्ञान द्वारा किसका बोध होता है? (ज्ञान द्वारा शेनो बोध थाय छे?) .....

७. संबंध किसके कारण होते है? (संबंधो शेने कारणे होय छे?) .....

८. किसका पालन न करने से मोहनीय कर्म का बंध होता है? (शेनुं पालन न करवाथी मोहनीय कर्म बंधाय छे?)

.....

९. कार्मण वर्गणा आत्मा के साथ किसकी तरह एकमेक होती है? .....

(कार्मण वर्गणा आत्मा साथे कोनी जेम एकमेक थाय छे?)

१०. शुभ आयुष्य के नाम लिखिए। (शुभ आयुष्यना नाम लखो।) .....

(२) मुजे पहचानो मैं कौन? (मने ओळखो।) **(२)**

१. मेरे कारण पूर्वभव का ज्ञान होता है। (मारा कारणे पूर्वभवनुं ज्ञान थाय छे।) .....

२. मेरा फल सुखरुप से भोगा जाता है। (मारुं फळ सुखरुपे भोगवाय छे।) .....

३. मेरे कारण मीठाई खा नहीं शकते। (मारा कारणे मीठाई खाई न शकाय।) .....

४. मुजे वश में करने से ज्ञान में वृद्धि होती है। (मने वशमां राखवाथी ज्ञान वधे छे।) .....

(3) निम्नलिखित कर्म के प्रभाव का तीसरा मुद्दा लिखिए। (नीचेना कर्मनी केवी असर थाय तेनो त्रीजो मुद्दो लखो।) **(३)**

१. अशुभ नाम कर्म .....

२. अशाता वेदनीय कर्म .....

३. उच्च गोत्र कर्म .....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञान के आधार पर सही विकल्प चुने। (योग्य विकल्प पसंद करो।)

१. मानव के शरीर में ही शरीर को क्या करने की क्षमता है? (स्वस्थ, पोषण, निरोगी)

(माणसना शरीरमां शरीरने शुं करवानी क्षमता छे?)

२. जैन आगम में कितनी समाचारी का उल्लेख है? (जैन आगममां केटली समाचारीनुं कथन छे?) (१२, १०, ८)

३. किसकी सच्ची समज हमें धर्म से मिलती है? (पुण्यबंध, शुभबंध, पापबंध)

(शेनी साची समज आपणने धर्म पासेथी मळे छे?)

४. जीव को बाह्य साधन द्वारा क्या मिलता है? (जीवने बाह्य साधन द्वारा शुं मळे छे?) (सगवडता, सुख, अनुकूलता)

५. धर्म किसको महत्त्व देता है? (धर्म कोने महत्त्व आपे छे?) (परमानंद, क्षमापना, शांति)

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित वाक्य कौन बोलता है? किस वार्ता के आधार पर? **(७)**

(नीचेना वाक्यो कोण बोले छे? कई वार्ताना आधारे?)

१. यह नेमकुमार थे, जिन्होंने शंख बजाया था। (आ तो नेमकुमारे शंख वगाड्यो।)

.....

२. तुम्हारे बेटे को उद्यान में प्रवेश न मिले। (तमारा पुत्रने उद्यानमां प्रवेश न मळे।)

.....

३. आपने मुजे सही रास्ते का मार्गदर्शन कर बचा लिया। (तमे मने साचा मार्गे लावीने उगारी लीधो।)

.....

४. आप पूरे शहर में से एक अच्छा आदमी ढूंढ कर लाओ। (तमे आखी नगरीमांथी सारो माणस शोधीने लावो।)

.....

५. एक साधारण गाय से गिर गए। (एक सामान्य गायथी पण पडी गयो।)

.....

६. मेरी इस शक्ति को देखों। (मारा आ बळने जोइ ले।) .....

७. मेरी शक्ति का उपयोग आत्मकल्याण के लिए किया जाये। (मारी शक्तिनो उपयोग आत्मकल्याण माटे करवो जोइए।)

.....

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्यमें लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक वाक्यमां लखो।) **(३)**

१. सद्‌गुणी सदा क्या देता है? (सद्‌गुणी हंमेशा शुं आपे छे?)

.....

२. रहनेमि किस पर्वत पर से मोक्ष गए? (रहनेमि कया पर्वत परथी मोक्षे गया?) एक शब्द में लिखिए।

.....

३. हमें क्या वश में रखना चाहिए? (आपणे शुं वशमां राखवुं?) तीन शब्दों में लिखिए।

.....

(१०)

प्र. ६ काव्य विभाग के आधार पर नीचे दी गई कविता पूरी करे। (नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।)

१. बडे (वडीलोने) .....

.....

.....

..... **हे भंते।**

२. भमता .....

.....

.....

करुं।

.....

३. भाव से (भावथी) .....

.....

..... जाए (जाय)।

४. में मुखने .....

.....

.....

..... घणुं।

जय जिनेन्द्र

- PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
- NEXT CLASS STARTS FEBRUARY 2ND/3RD MONDAY AND TUESDAY.
- TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.
- FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.